(c) Central Bank of India also has initiated a similar scheme from June 1, 1971 while the Bank of Baroda has announced its intention of initiating a similar scheme shortly.

There is no proposal at present to introduce such a scheme in the Post Office Savings Banks.

Loans granted under the Hotel Development Loan Scheme

3125. SHRI N. S. BIST : Will the Minister of TOURISM AND CIVIL AVIATION be pleased state :

(a) the terms and conditions for the grant of funds from the Hotel Developement Loans Scheme;

(b) the names of parties to whom loans have been given from this fund since its inception in April, 1968 along with the amount of loans granted; and

(c) the basis of granting these loans ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF TOURISM AND CIVIL AVIATION (DR. SAROJINI MAHISHI): (a) to (c). Copies of the Instructions containing the terms and conditions regulating the grant of loan under the Hotel Development Loan Scheme along with the statement showing the names of the companies and the amounts of the loans approved and disbursed are placed on the Table of the House. [*Placed in library. See* No. LT—542/71]

मध्य प्रदेश के कुछ जिलों में राष्ट्रीयकृत बैंकों द्वारा ऋण के लिये प्राप्त आवेदन-पत्र

3126. श्री हुकम चन्द कछवाय: क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) मध्य प्रदेश के मुरैना, भिण्ड, ग्वालियर और गुना जिलों में लघु उद्योगों, खेती में काम आने वाली वस्तुओं और सिंचाई प्रयोजनों के लिए ऋण के लिये राष्ट्रीयकृत बैंकों को अब तक कितने आवेदन प्राप्त हुए हैं;

(ख) राष्ट्रीयकृत बैंकों द्वारा जिलेवार कितने व्यक्तियों को कुल कितना-कितना ऋण दिया गया; और

(ग) बैंकों के पास पड़े शेष अनिर्णित आवेदन पत्रों पर क्या कार्यवाही की जा रही है ?

वित्त मंत्री (श्री यशवन्तराव चव्हाण) : (क) और (ख). माननीय सदस्य ने जिस प्रकार पूछा है उस रूप में आंकड़े नहीं रखे जाते । फिर भी राष्ट्रीयकृत बैंकों द्वारा मध्य प्रदेश में स्वीकृत ऋणों की संख्या और बकाया रकमों की जो स्थिति दिसम्बर, 1970 के अंतिम शुक्रवार को थी वह नीचे दी गई है—

लघु उद्योग

एककों की संख्या · 1065 692 03 लाख रु.

कृषि

लेखों की संख्या 17892 429 16 लाख रु

(ग). राष्ट्रीयकरण के बाद से बैंकों ने लघु उद्योगों तथा कृषि जैसे अब तक उपेक्षित रहे क्षेत्रों के संबंध में उदार नीति अपनायी है । बैंक गुणावगुणों के आधार पर सभी आवेदन-पत्रों पर विचार करते हैं बशर्ते कि योजनाएं संचालन की दृष्टि से सक्षम हों ।

विदेशों में मध्य प्रदेश के मन्दिरों और ऐतिहासिक स्थानों के बारे में प्रचार

3127. श्री हुकम चन्द कछवाय :
श्री धनशाह प्रधान :

क्या पर्यटन और नागर विमानन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को पता है कि मध्य प्रदेश के मन्दिरों, ऐतिहासिक महत्व के स्थानों तथा अन्य सुरम्य स्थलों का विदेशों में व्यापक प्रचार नहीं किया जाता; और

(ख) देश के उक्त स्थानों के बारे में विदेशों में अधिक प्रचार करने के लिये क्या कार्यवाही

की गई है अथवा किये जाने का विचार है ?

पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती सरोजिनी महिषी): (क) और (ख). मध्य प्रदेश के मन्दिरों तथा पर्यटक आकर्षण के अन्य स्थानों का भारत के लिये अधिक विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करने की दृष्टि से विदेशों में व्यापक प्रचार किया जाता है । इस संदर्भ में प्रचार-साहित्य का प्रकाशन विभिन्न भाषाओं में किया जाता है और उसका विदेशों में वितरण किया जाता है ।

इण्डियन एयर लाइन्स के विमान चालकों से तस्करी सोना बरामद किया जाना

3128 श्री हुकम चन्द कछवाय
श्री धनशाह प्रधान

क्या वित्त मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या मई, 1971 के दूसरे पखवाड़े में डमडम हवाई अड्डे पर इण्डियन एयर लाइन्स के डाक विभाग के विमान-चालक कक्ष से बड़ी मात्रा में सोना बरामद किया गया था;

(ख) यदि हां तो इस सम्बन्ध में कितने व्यक्तियों के विरुद्ध कार्यवाही की गई है, और

(ग) बरामद किये गये सोने का मूल्य कितना है ?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री के० आर० गणेश): (क) से (ग). दमदम हवाई अड्डे पर 28-5-71 को दो लावारिस थैलों में से 15 किलो ग्राम सोना पकड़ा गया था जिसका मूल्य अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा-दर पर लगभग 1.27 लाख रुपये तथा भारतीय-बाजार दर पर लगभग 2.6 लाख रुपये है । ये थैले इंडियन एयरलाइन्स के एक हवाई जहाज के कर्मीदल के असबाब के साथ पाये गये थे न कि पायलट की 'केबिन में' । कर्मी दल के एक सदस्य को गिरफ्तार कर लिया गया था । उसको मिजिस्ट्रेट द्वारा 1 लाख रुपये की जमानत के साथ 25-25 हजार रुपये के चार मुचलकों पर छोड़ दिया गया ।

Captures of Mechanised Vessel carrying smuggled Goods

3129. SHRI S. M. KRISHNA :
SHRI P. GANGADEB

Will the Minister of FANANCE be pleased to state :

(a) whether the Customs officials seized a meachanised vessel on board at Sheel about eight miles of Mangrol Sea Coast in Junagarh district on 12th April, 1971;

(b) whether some smuggled goods were also recovered from it; and

(c) if so, the number of persons arrested in this connection ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI K. R. GANESH) : (a) to (c). Vessel M. S. V. Puran Vihar Bedi No. 59 which left Bombay on 5th April, 1971 for Dubai was seized by the Customs authorities of Mangrol Coast on 13th April, 1971. There were 91 passengers with 10 crew members on board. As the passengers had no passports for leaving India, they were charge-sheeted by the Police authorities under the Passport Act 1967 and produced before the Magistrate of Keshod Mangrol (Link) Court on 4th May, 1971. All the accused were sentenced to one day's simple imprisonment till rising of the Court. No smuggled goods were recovered.

Amount collected under the Emergency Risks (Factories) Insurance Act., 1962

3130. SHRI S. N. MISHRA : Will the Minister of FINANCE be pleased to state :

(a) How much amount had been collected by Government under the Emergency Risks (Factories) Insurance Act, 1962 from the date of its operation up to the date of its cessation State-wise;

(b) how much amount has been paid or given to any of the factories under the said Act up to the end of the financial year 1970-71; an